हिन्दी साप्ताहिक

न्यूज आइकॉन

T.C. NO. MAHHIN10172

संपादक - मुर्तुजा मामाजीवाला | ईमेल: newsicon2021@gmail.com | मूल्य: रु. - 2/-

वर्ष: 2 | अंक: 14 | पृष्ठ: 8 | शुक्रवार, 16 सितंबर से 22 सितंबर 2022

महाराष्ट्र को गुजरात के मुकाबले एक और झटका, दवा प्रोजेक्ट भी छिना; आदित्य ठाकरे का दावा

मुंबई: वेदांता और फॉक्सकॉन के सेमीकंडक्टर तैयार करने संयुक्त प्रोजेक्ट के महाराष्ट्र की बजाया गुजरात चलाने पर सूबे में सियासत तेज है। विपक्षी दलों की ओर से इसे लेकर एकनाथ शिंदे सरकार पर निशाना साधा जा रहा है। वहीं शिंदे सरकार ने इसे लेकर उद्धव ठाकरे पर ही हमला बोला है। एकनाथ शिंदे गुट ने कहा कि उद्धव सरकार के कार्यकाल में इस प्रोजेक्ट को लेकर तेजी और उत्साह नहीं दिखाया गया। इसी के चलते यह महाराष्ट्र से छिन गया और गुजरात चला गया। अब शिवसेना के नेता आदित्य ठाकरे ने नया दावा करते हुए शिंदे सरकार पर अटैक किया है। आदित्य ठाकरे का दावा है कि महाराष्ट्र में लगने वाला 3,000 करोड़ रुपये का दवा प्रोजेक्ट भी छिन गया है और इसे भी गुजरात ले जाया जा रहा है। आदित्य ठाकरे ने कहा कि इसका कारखाना रायगढ़ में

लगना था और इससे 80,000 लोगों को नौकरी मिल सकती थी। पूर्व मंत्री ने कहा कि यह अवैध सरकार है। पहले तो यह शिवसेना के 40 विधायकों को गुजरात ले गई थी और अब इसने दो बड़े प्रोजेक्ट्स को भी महाराष्ट्र से गुजरात भेज दिया है। रायगढ़ में लगने वाला 3,000 करोड़ रुपये का दावा कारखाना भी गुजरात ले जाया जा रहा है। इस प्रोजेक्ट से महाराष्ट्र में 80 हजार नौकरियां निकल सकती थीं। आदित्य ठाकरे ने एकनाथ शिंदे सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि यह तो खोखे से बनी सरकार है। इस सरकार ने जो प्रोजेक्ट्स महाराष्ट्र में आने थे, उन्हें छिन जाने दिया।

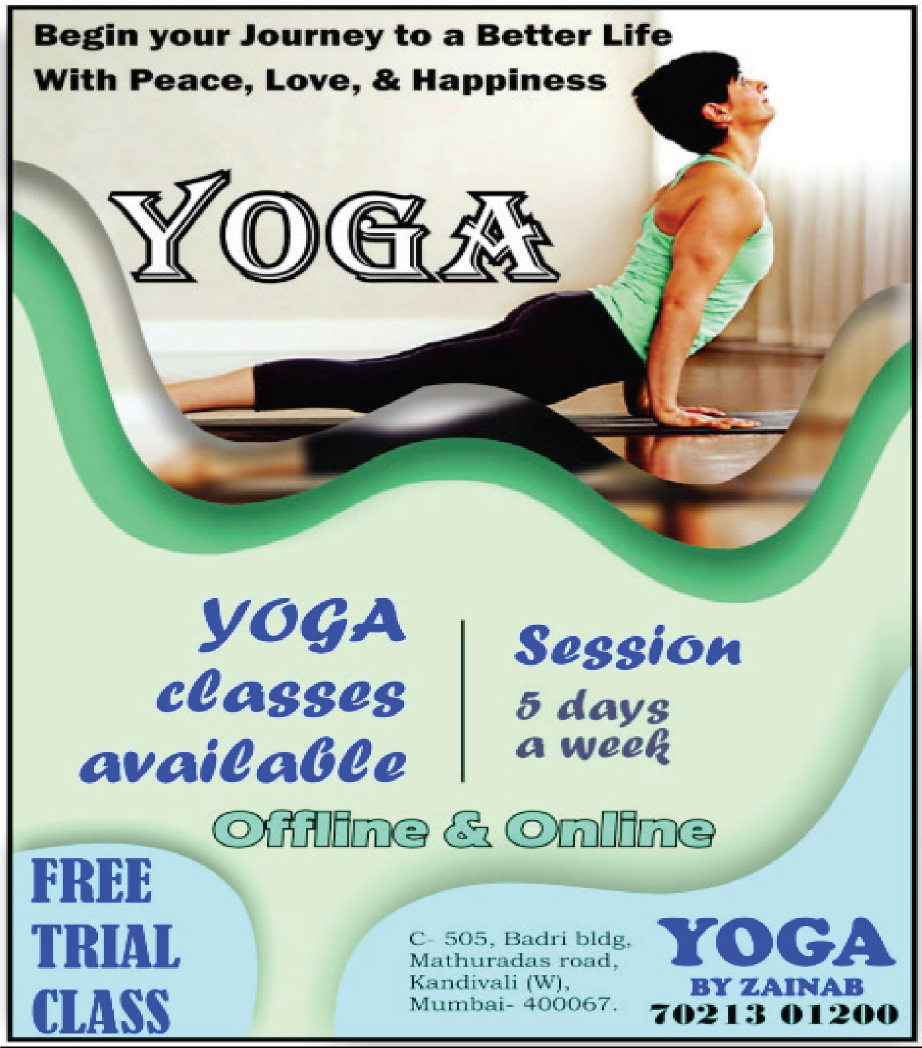

शाबाश शिंदे ! वेदांता डील के बदले BJP से ली CM की कुर्सी; शिवसेना का एकनाथ पर तंज

मुंबई। वेदांता और फॉक्सकॉन प्रोजेक्ट के महाराष्ट्र से गुजरात जाने पर सियासत तेज हो गई है। शिवसेना, एनसीपी और कांग्रेस ने सत्तारूढ बीजेपी और शिंदे गुट के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। विपक्ष सबसे अधिक आक्रामक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को लेकर है। शिवसेना ने अपने मुखपत्र के संपादकीय में कहा है कि वेदांत-फॉक्सकॉन डील को महाराष्ट्र से गुजरात में बहुत ही सरल तरीके से भेजा गया है। इसके लिए भाजपा ने एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री पद दिया है।

शिवसेना का कहना है, ह्वयह हमारा आरोप नहीं बल्कि विश्वास है। जिस तरह से फडणवीस ने अंतरराष्ट्रीय वित्त केंद्र को मुंबई से गुजरात भेजा, उसी तरह एकनाथ शिंदे ने फॉक्सकॉन-वेदांत सौदे को गुजरात जाने की अनुमति दी है। कल वे मुंबई को भी बेच देंगे।

शिवसेना का आरोप है, ह्नफॉक्सकॉन सिर्फ शुरूआत है। फॉक्सकॉन डील काफी सरल तरीके से हुई। यह स्पष्ट है कि भाजपा ने एकनाथ शिंदे से कहा कि उन्होंने उन्हें मुख्यमंत्री बनाया है। उनके विधायकों को करोड़ों दिए हैं। अब आप महाराष्ट्र की तिजोरी की चाबी हमें सौंप दीजिए।ह्ल

राज ठाकरे की मांग का जिक्र करते हुए शिवसेना ने कहा कि यह अच्छा है कि उन्होंने चिंता व्यक्त की है, लेकिन अपराधी उनका दोस्त यानी भाजपा है। शिवसेना ने कहा, ह्नमहाराष्ट्र के विकास के सभी इंजन अब गुजरात की ओर रुख करेंगे।ह्लह्ल आपको बता दें कि राज ठाकरे ने इस डील के गुजरात जाने की जांच की मांग की है।बीमार मां के सिर पर पत्थर पटक बेटे ने मार डाला, अस्पताल जाने की बात पर हुआ विवाद, छोटी बहनों को भी पीटा शिवसेना ने आगे कहा, ह्नशिंदे सूरत और गुवाहाटी में अपने विधायकों को आश्वस्त कर रहे थे कि डरने की कोई बात नहीं है। अब हमारे पास एक बड़ी शक्ति है जो हमारा समर्थन कर रही है। हम जो चाहते हैं वह हमें मिलेगा। शाबाश शिंदे! आपको जो चाहिए वह मिल रहा है, लेकिन महाराष्ट्र के युवाओं से उनके रोजगार के अवसर छीन लिए गए हैं। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे ने बुधवार को कहा, ह्नएकनाथ शिंदे ने न केवल हमारे 40 विधायकों को बल्कि महाराष्ट्र की बड़ी परियोजनाओं को भी गुजरात लेकर चले गए। हमारे राज्य में 2 लाख करोड़ रुपए और 1 लाख रोजगार के अवसरों के नुकसान के लिए कौन जिम्मेदार है।ह्ल

वेदांत के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल ने स्पष्ट किया कि गुजरात का चुनाव कुछ महीने पहले स्वतंत्र रूप से किया गया था। आदित्य ठाकरे ने कहा कि दो अलग-अलग परियोजनाओं के बीच भ्रम पैदा करने के लिए कुछ संदेश प्रसारित किए जा रहे हैं।

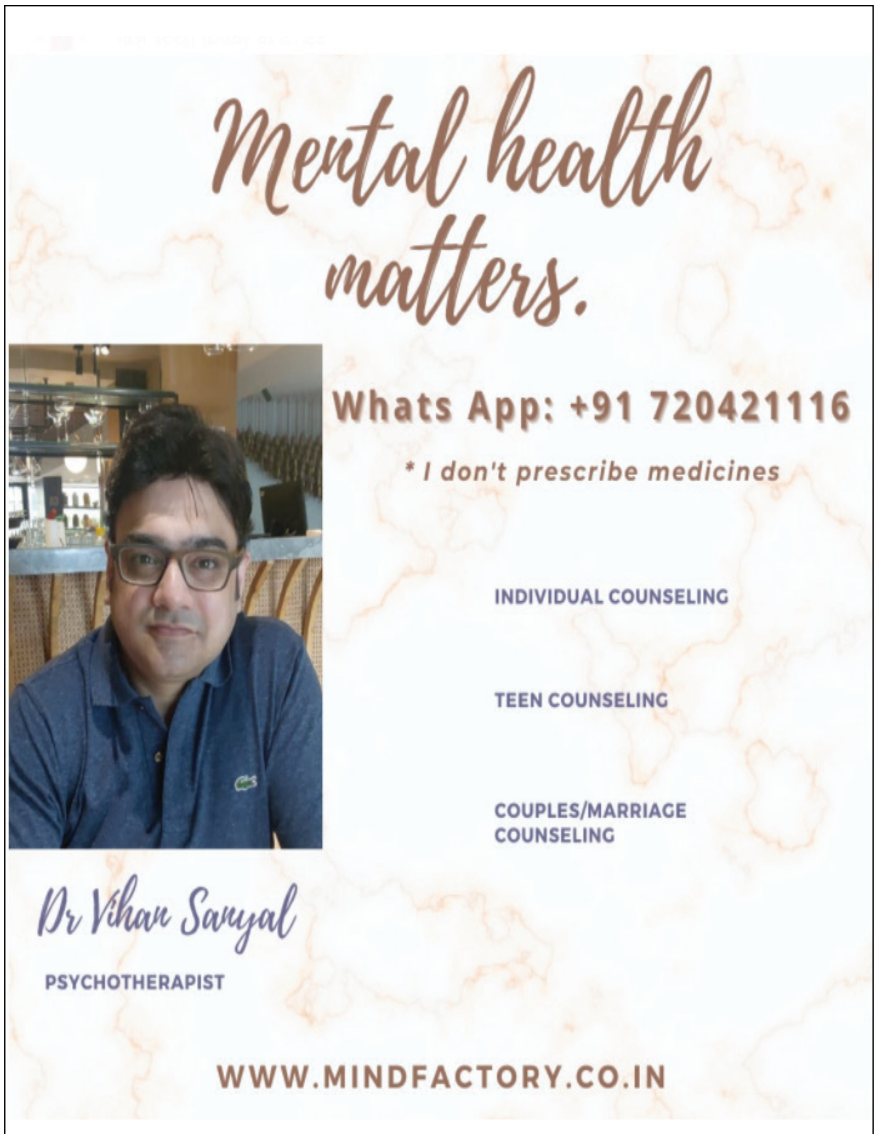

मुंबई में GST रैकेट का भांडाफोड़

132 करोड़ रुपये के फर्जी बिल के साथ गिरोह का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

मुंबई: मुंबई जोन में केंद्रीय माल और सेवा कर (CGST) के भिवंडी आयुक्त की टीम ने एक फर्जी चालान रैकेट का भांडाफोड़ करते हुए गिरोह के मास्टरमाइंड को गिरफ्तार किया है। इस गिरोह पर 132 करोड़ रुपये के फर्जी बिल के सहारे 23 करोड़ रुपये के इनपुट टैक्स क्रेडिट का लाभ उठाने का आरोप है। गिरोह के मुख्य आरोपित की पहचान हसमुख पटेल के रूप में की गई है।समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार, अधिकारी ने बताया कि सीजीएसटी भिवंडी आयुक्त की चोरी-रोधी शाखा विभिन्न फर्जी फर्मों की जांच कर रही थी, जिनमें मेसर्स मेकटेक स्टील ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड, मेसर्स यूजीएसके ट्रेडर, मेसर्स वर्ल्ड एंटरप्राइजेज, मेसर्स रोलेक्स एंटरप्राइजेज और मेसर्स एचएचटी एंटरप्राइजेज और मेसर्स यश एंटरप्राइजेज शामलि है। जांच के दौरान इन कंपनियों और मुख्य आरोपित हसमुख पटेल के बीच प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष संबंध पाए गए।

सीजीएसटी भिवंडी आयुक्त की एक चोरी-रोधी शाखा ने खुफिया जानकारी के आधार पर धोखाधड़ी के आठ मामलों में आरोपित के घर पर छापामारी की। जांच में पता चला कि आरोपित हसमुख पटेल ने कथित तौर पर फर्जी फर्मों का एक बड़ा नेटवर्क बना रखा है, जिसके माध्यम से उसने 132 करोड़ रुपये के नकली चालान बनाए और किसी सामान और सेवाओं की आपूर्ति किए बगैर 23.16 करोड़ रुपये के नकली आईटीसी का लाभ उठाया।

आरोपी हसमुख पटेल ने अपने अपराधों को कबूल करते हुए बताया कि उसने अब तक 36 फर्जी जीएसटी फर्में बनाई हैं और फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट को पास करने के लिए विभिन्न जीएसटी आयुक्तालय में अपना नेटवर्क स्थापित किया है। जांच के दौरान मिले साक्ष्यों के आधार पर मास्टरमाइंड आरोपित को उत्र्ळ अधिनियम, 2017 की धारा 132 के उल्लंघन के लिए उत्र्ळ अधिनियम, 2017 की धारा 69 के तहत 9 सितंबर 2022 को गिरफ्तार किया गया।आरोपित को 23 सितंबर तक न्यायिक हिरासत में भेजा दिया गया है।

किरण रिजिजू ने कहा- विकसित भारत के लक्ष्य के लिए न्यायपालिका और कार्यपालिका को एक साथ करना होगा काम

मुंबई: केंद्रीय कानून मंत्री किरण रिजिजू ने शनिवार को कहा कि हमारे प्रधानमंत्री भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने चाहते हैं। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए न्यायपालिका और कार्यपालिका को एक टीम के रूप में काम करना होगा। वह यहां प्रधान न्यायाधीश (सीजेआइ) यूयू ललित को सम्मानित करने के लिए आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। स्वतंत्रता दिवस के अपने भाषण में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का आह्वान किया था। कानून मंत्री ने प्रधान न्यायाधीश के रूप में जस्टिस ललित के संक्षिप्त कार्यकाल को लेकर हल्केफुल्के अंदाज में कहा, 'काश सीजेआइ का कार्यकाल लंबा होता, लेकिन छोटा या लंबा, मैं केवल यह आशा करता हूं कि सरकार को ज्यादा तनाव न हो।'बता दें कि 74 दिन के कार्यकाल के बाद सीजेआइ ललित नवंबर में सेवानिवृत्त हो जाएंगे। रिजिजू ने आगे कहा कि वह हमेशा टीम के रूप में काम करने में यकीन रखते हैं। उन्होंने कानून मंत्री के रूप में सरकार की तरफ से पूरा सहयोग का भरोसा भी दिया।

NCP प्रमुख शरद पवार बोले- दिल्ली दरबार के आगे कभी नहीं झुकेंगे, विपक्षी दलों को साथ आने का किया आह्वान

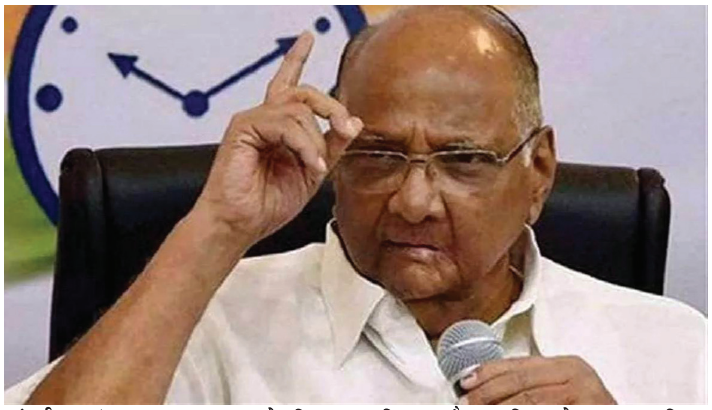

मुंबई। राकांपा अध्यक्ष शरद पवार ने रविवार को दो टूक कहा कि उनकी पार्टी दिल्ली में मौजूद शासकों के सामने कभी नहीं झुकेगी। उन्होंने भाजपा को सत्ता से बेदखल करने के लिए अन्य सभी दलों से एक बार फिर मिलकर काम करने का आह्वान किया। वे दिल्ली में आयोजित राकांपा के आठवें राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। पवार ने कहा कि छत्रपति शिवाजी कभी दिल्ली के शासकों के सामने नहीं झुके और राकांपा उस रास्ते पर ही चलती आई है और उसने खुद को एक प्रगतिशील राष्ट्रीय पार्टी के रूप में स्थापित किया है। पवार की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब कई विपक्षी नेता सीबीआइ, ईडी जैसी जांच एजेंसियों का सामना कर रहे हैं। राकांपा नेता नवाब मलिक और अनिल देशमुख न्यायिक हिरासत में हैं।

शरद पवार ने कहा कि केंद्र सरकार सीबीआइ और ईडी का गलत इस्तेमाल कर रही है। विरोधी नेताओं को झूठे केसों में फंसा रही है। उन्होंने पार्टी कार्यकताओं से कहा कि हमें बड़ी लड़ाई लड़नी है। प्रजातांत्रिक तरीके से मोदी सरकार को चलता करना है। इस दौरान पवार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार को महंगाई, बेरोजगारी और देश में धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ नफरत फैलाने के मुद्दे पर आड़े हाथों लिया।उधर पार्टी महासचिव प्रफुल पटेल ने कहा कि शरद पवार प्रधानमंत्री पद की दौड़ में शामिल नहीं हैं।

मुंबई हवाई अड्डे पर 5.38 करोड़ का सोना बरामद, सूडानी नागरिक समेत छह यात्री पकड़े

तस्करी का तरीका देख चौंके अधिकारी

मुंबई। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 5.38 करोड़ रुपये मूल्य का 12 किलोग्राम सोना बरामद हुआ। सीमा शुल्क अधिकारियों ने सोने की तस्करी के लिए सूडानी नागरिक को गिरफ्तार किया। सूडानी नागरिक ने विशेष रूप से डिजाइन किए गए बेल्ट में सोना छिपा रखा था। सूडानी नागरिक को भागने में मदद करने के लिए कुछ यात्रियों ने हंगामा भी किया, जिनमें से पांच यात्रियों को पकड़ लिया गया।समाचार एजेंसी आईएनएस के अनुसार सीमा शुल्क अधिकारी ने बताया कि सूडानी नागरिक ने खास तरह की बेल्ट पहनी हुई थी जो दिखने में बेहद महंगी लग रही थी। शक होने पर हमने उस व्यक्ति को पकड़कर तलाशी ली तो बेल्ट से सोना बरामद हुआ। अधिकारी ने आगे बताया कि माल को छुपा कर एयरपोर्ट से बाहर ले जाने के इरादे से रेड चैनल पर जांच अधिकारीयों के सामने पेश नहीं किया गया। बरामद माल को देखते हुए सोने की तस्करी का मामला दर्ज किया है। आगे की जांच जारी है। सोने की बेल्ट पहने यात्री को जब सीमा शुल्क अधिकारियों ने पकड़ा तो अन्य यात्रियों ने हंगामा करना शरू कर दिया, जिससे वह यात्री बच कर निकल सके। समय रहते अधिकारीयों ने हंगामे को शांत करते हुए सूडानी नागरिक समेत 6 अन्य यात्रियों को भी गिरफ्तार कर लिया।

संपादकीय

संपादक - मुर्तुजा मामाजीवाला

भारत जोड़ो यात्रा के बीच टूटती कांग्रेस

भारत जोड़ो यात्रा के बीच गोवा के आठ कांग्रेसी विधायक जिस तरह पालाबदल कर भाजपा में चले गए, वह कांग्रेस के लिए एक बड़ा झटका है। इस पालाबदल ने अन्य राजनीतिक दलों की ओर से की जा रही इस आलोचना को ही सही सिद्ध किया कि कांग्रेस को भारत जोड़ो अभियान से ज्यादा जरूरत पार्टी जोड़ो मुहिम शुरू करने की है। गोवा में पालाबदल कोई नई-अनोखी बात नहीं। हैरानी इस बात की है कि कांग्रेस नेतृत्व एक अर्से से इस तरह की खबरें सामने आते रहने के बाद भी नहीं चेता कि गोवा में उसके विधायक टूट सकते हैंऐसा लगता है कि कांग्रेस नेतृत्व इस बात से कुछ ज्यादा ही संतुष्ट हो गया कि उसके विधायकों ने गोवा विधानसभा चुनाव के समय इस आशय की शपथ ली थी कि वे अन्य किसी दल में नहीं जाएंगे। राजनीति में ऐसी शपथ का कोई मूल्य नहीं होता। यह विडंबना ही है कि जिन दिगंबर कामत के नेतृत्व में पाला न बदलने की शपथ ली गई थी, वह भी कांग्रेस छोड़ने वालों में शामिल हैं। कांग्रेस अपनी खीझ मिटाने के लिए यह कह सकती है कि भाजपा छल-बल से उसके विधायकों को अपने साथ ले गई, लेकिन बेहतर यह होगा कि वह उन कारणों की तह तक जाए, जिनके चलते अन्य राज्यों में भी उसके विधायक टूटते रहते हैं या फिर इसके लिए तैयार दिखते हैं इसी तरह यह भी एक तथ्य है कि उसके नेताओं के पार्टी छोड़ने का सिलसिला थम नहीं रहा है। बीते दिनों भारत जोड़ो यात्रा के बीच ही असम कांग्रेस के महासचिव ने यह कहते हुए पार्टी छोड़ दी कि नेतृत्व दिशाहीन और भ्रमित है। कुछ इसी तरह की बातें वे अनेक नेता भी कहते रहे, जिन्होंने कांग्रेस छोड़ी, लेकिन पार्टी नेतृत्व ने उन पर कभी ध्यान नहीं दिया। संभवतः वह यह समझने को तैयार नहीं कि पार्टी की रीति-नीति के चलते अधिकतर कांग्रेस नेता इस नतीजे पर पहुंच चुके हैं कि इस दल में उनका कोई भविष्य नहीं। कांग्रेस नेतृत्व यानी गांधी परिवार यह भी समझने को तैयार नहीं दिखता कि वह आम जनता तो दूर, अपने कार्यकताओं और समर्थकों के समक्ष भी ऐसा कोई विमर्श नहीं खड़ा कर पा रहा है, जो उन्हें आकर्षित कर सके। जिस दल के कार्यकर्ता हताश-निराश हों अथवा नेतृत्व की विचारधारा को समझने में असमर्थ हों, उसका भविष्य उज्ज्वल हो ही नहीं सकता। आज कांग्रेस के सामान्य कार्यकर्ता के लिए यह समझना कठिन है कि पार्टी की विचारधारा क्या है? राहुल गांधी अपनी भारत जोड़ो यात्रा में जिस तरह वही सब बातें दोहरा रहे हैं. जो वह एक लंबे समय से कहते चले आ रहे हैं, उसे देखते हुए इसमें संदेह है कि कांग्रेस आम जनता को यह संदेश दे.

विपक्षी एकता एक, पैरोकार अनेक; किस-किस की पूरी होगी

कांग्रेस का साथ नहीं लेना चाहतीं उसी तरह केसीआर यानी तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव भी। उन्होंने पिछले दिनों यह कहकर चौंकाया कि 2024 में केंद्र में गैर भाजपा सरकार बनने पर देश भर के किसानों को मुफ्त बिजली और पानी दिया जाएगा।

: विपक्षी दलों को एकजुट करने के प्रयास और तेज होते दिख रहे हैं। भाजपा से नाता तोड़कर महागठबंधन से हाथ मिलाने के बाद नीतीश कुमार विपक्षी दलों को एक करने के अभियान के तहत दिल्ली की यात्रा कर चुके हैं। यद्यपि उनका यही कहना है कि वह पीएम पद के दावेदार नहीं, लेकिन उनके समर्थक-सहयोगी उन्हें इस पद के लिए उपयुक्त बता रहे हैं। बीते दिनों पटना में ऐसे पोस्टर दिखे, जिन पर लिखा था-प्रदेश में दिखा, देश में दिखेगा। क्या दिखेगा, यह स्पष्ट नहीं, लेकिन कोई भी समझ सकता है कि क्या दिखाने और बताने की कोशिश हो रही है।उपराष्ट्रपति चुनाव के समय विपक्षी एकता को भंग करने वाली ममता बनर्जी फिर से विपक्ष को एक करने में जुट गई हैं। हाल में उन्होंने कहा कि वह नीतीश कुमार, अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव, हेमंत सोरेन और अन्य मित्रों के साथ मिलकर भाजपा को बेदखल करेंगी। उन्होंने अन्य मित्रों का नाम लेने से परहेज किया। क्यों किया, यह तो ज्ञात नहीं, लेकिन वह अतीत में कांग्रेस को साथ लिए बिना विपक्ष को एक करने की कोशिश कर चुकी हैं। भले ही ममता कांग्रेस को साथ न लेना चाहती हों, लेकिन वह इससे अनभिज्ञ नहीं हो सकतीं कि नीतीश, तेजस्वी और हेमंत तो कांग्रेस के साथ हैं।जिस तरह ममता बनर्जी कांग्रेस का साथ नहीं लेना चाहतीं, उसी तरह केसीआर यानी तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव भी। उन्होंने पिछले दिनों यह कहकर चौंकाया कि 2024 में केंद्र में गैर भाजपा सरकार बनने पर देश भर के किसानों

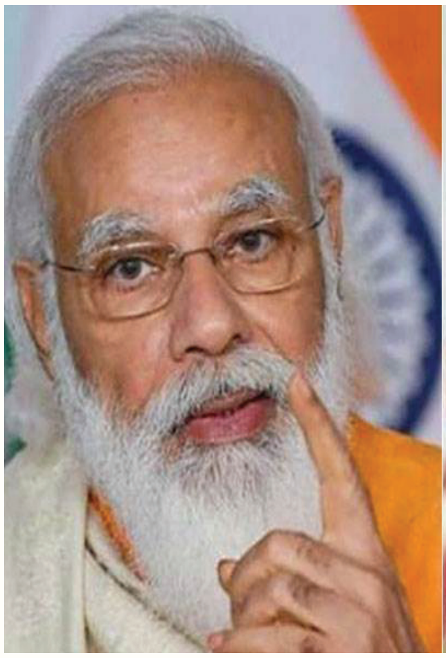

को मुफ्त बिजली और पानी दिया जाएगा। आखिर उन्होंने यह घोषणा किस अधिकार से की? यह प्रश्न इसलिए, क्योंकि अभी तक किसी भी भाजपा विरोधी नेता ने यह नहीं कहा है कि वे उन्हें इसके लिए अधिकृत कर रहे हैं कि वह अगले लोकसभा चुनाव के लिए विपक्ष का एजेंडा तय करें।केसीआर के बारे में एक खबर यह भी है कि वह अपने दल तेलंगाना राष्ट्र समिति को राष्ट्रीय स्वरूप देने जा रहे हैं। इससे उन्हें कितनी सफलता मिलेगी, यह वक्त बताएगा, लेकिन यह साफ है कि वह अपने हिसाब से विपक्षी दलों को एकजुट करना चाहते हैं। विपक्षी दलों को अपने तरीके से एकजुट करने के अभियान को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार भी धार दे रहे हैं। इसके लिए पिछले दिनों उन्होंने राकांपा का राष्ट्रीय अधिवेशन दिल्ली में किया। वह यह कहते रहे हैं कि कांग्रेस के बिना विपक्षी एकता संभव नहीं।विपक्षी दलों को एकजुट करने का काम एक और नेता ओमप्रकाश चौटाला भी कर रहे हैं। वह जिस इंडियन नेशनल लोकदल के जरिये तीसरा मोर्चा बनाने की कोशिश कर रहे हैं, उसका हरियाणा में केवल एक विधायक है। वह देवीलाल की जन्मतिथि पर फतेहाबाद में एक रैली करने जा रहे हैं। इस रैली के लिए उन्होंने विपक्षी नेताओं को निमंत्रण देना शुरू कर दिया है। उनका दावा है कि यह रैली भाजपा के विरुद्ध तीसरा मोर्चा बनाने में कारगर साबित होगी। चौटाला ने इस रैली में अखिलेश यादव को निमंत्रित किया है। इसका मतलब है कि इसमें मायावती नहीं शामिल होंगी।इसी तरह यदि आंध्र से चंद्रबाबू नायडू शामिल होते हैं तो जगनमोहन रेड्डी शामिल नहीं होंगे। यदि वाम दलों के नेता शामिल होते हैं तो फिर ममता शामिल नहीं होंगी। फिलहाल इसका पता नहीं कि ओमप्रकाश चौटाला की रैली में कौन-कौन शामिल होगा, पर यह सबको पता है कि वह शिक्षक भर्ती घोटाले में सजा काट चुके हैं और आय से अधिक संपत्ति के मामले में दोषी करार दिए जा चुके हैं। क्या जब भ्रष्टाचार का मुद्दा सतह पर है, तब विपक्षी नेता उनके साथ मंच साझा करना पसंद करेंगे?जब भाजपा विरोधी नेता अपने-अपने स्तर पर विपक्ष को एकजुट करने की कोशिश कर रहे हैं, तब इसे अनदेखा नहीं कर सकते कि आम आदमी पार्टी अपने बलबूते नरेन्द्र मोदी को चुनौती देने की तैयारी करती दिख रही है। गुजरात और हिमाचल प्रदेश में ह्यएक मौका केजरीवाल कोह्न नारे के साथ जनता को आकर्षित करने की कोशिश यही बताती है कि केजरीवाल खुद को नरेन्द्र मोदी के समकक्ष रख रहे हैं। हालांकि कई भाजपा विरोधी दलों के नेताओं ने समय-समय पर केजरीवाल से मुलाकात की है, फिर भी यह कहना कठिन है कि आम आदमी पार्टी विपक्षी एका की जो पहल हो रही है, उसमें भागीदार बनना चाहती है।

कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा का उद्देश्य भले ही नफरत के माहौल से लड़ना बताया जा रहा हो, लेकिन ऐसी यात्राएं राजनीतिक और चुनावी लाभ के लिए ही होती हैं। लगातार कमजोर होती कांग्रेस इस यात्रा के जरिये स्वयं को इतना सशक्त करना चाह रही है कि विपक्षी दल उसके नेतृत्व में गोलबंद होने को बाध्य हों। यह समय बताएगा कि ऐसा हो पाएगा या नहीं, लेकिन इसमें संदेह नहीं कि भाजपा विरोधी दलों को एकजुट करने के प्रयास जितने अधिक नेता करेंगे और वह भी अपने-अपने हित और हिसाब से, उनमें एका की संभावना उतनी ही क्षीण होगी।ह्यज्यादा जोगी मठ उजाड़ह्न वाली कहावत शायद ऐसी ही स्थितियों को व्यक्त करने के लिए बनी है। विभिन्न नेताओं की ओर से विपक्ष को एक करने की कोशिश यही बताती है कि वे सब एकजुट हो सकने वाले भाजपा विरोधी दलों का नेतृत्व करना चाहते हैं .

बसपा प्रमुख मायावती ने भतीजे आकाश को दी बड़ी जम्मिेदारी, संभालेंगे तीन राज्यों में विधानसभा चुनाव का जिम्मा

लखनऊ। इसमें कोई संदेह नहीं लगता है कि बसपा प्रमुख मायावती के भतीजे आकाश आनंद ही उनके राजनीतिक उत्तराधिकारी होंगे। 2017 में लंदन से पढ़ाई कर लौटने के बाद से पर्दे के पीछे रहकर बुआ के साथ राजनीति का ककहरा सीख रहे आकाश यदाकदा मंचों पर दिखाई भी दिए हैं, लेकिन मायावती ने तीन राज्यों गुजरात, राजस्थान और मध्यप्रदेश में होने जा रहे विधानसभा चुनाव का जिम्मा सौंपकर एक तरह से उनकी 'पालिटिकल लांचिंग' कर दी है। इन राज्यों में जमीन पर संगठन को मजबूत करने के लिए उन्होंने काम शुरू कर भी दिया है।आकाश आनंद बसपा में नंबर दो की हैसियत में हैं, क्योंकि उन्हें मायावती ने पार्टी का नेशनल को-आर्डिनेटर 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान ही बना दिया था, लेकिन पार्टी के नए चेहरे के रूप में सक्रिय नहीं रहे। 2019 में चुनाव प्रबंधन संभालने वाले आकाश ने 2022 के चुनाव में बसपा की खास तौर पर इंटरनेट मीडिया से जुड़ी चुनावी रणनीति अपने हाथ में रखा।

कुछ रैलियों में बुआ मायावती के साथ मंच साझा भी किया, लेकिन मुख्यतः भूमिका पर्दे के पीछे से ही रही। मगर, अब बसपा प्रमुख ने उनका पदार्पण सक्रिय राजनीति में कराने का मन बना लिया है। हाल ही में मध्यप्रदेश में हुए नगर निकाय चुनाव में सक्रिय रहे आकाश आनंद ने वहां कई जिलों में जनसभाएं भी कीं।अब मध्यप्रदेश सहित राजस्थान और गुजरात विधानसभा चुनाव की जिम्मेदारी उन्हें दी गई है। उन्हें इन तीन प्रदेशों में संगठन को मजबूत करने का काम सौंपा गया है। इन दिनों वह राजस्थान में हैं और विभिन्न जिलों में संगठन पदाधिकारियों के साथ बैठकें कर रहे हैं। 2018 के विधानसभा चुनाव में राजस्थान में छह सीटें जीतने वाली बसपा 2023 में और अधिक सीटें जीतना चाहती है। जातीय समीकरणों के लिहाज से जोधपुर, जयपुर, जयपुर, भरतपुर, धौलपुर, सवाई माधौपुर, नागौर, गंगानगर, सीकर, झुंझनू आदि जिलों पर विशेष नजर है। 2023 में ही मध्यप्रदेश में चुनाव होने हैं। वहां 2013 में चार सीटें जीतने वाली बसपा 2018 में अपना खाता भी नहीं खोल सकी। वहीं, गुजरात में विधानसभा चुनाव इसी वर्ष के अंत में होने हैं। पार्टी पदाधिकारियों के मुताबिक, वहां आकाश आनंद दलित और आदिवासी बहुल क्षेत्रों में अपनी

लखनऊ जेल में बंद मुख्तार अंसारी के करीबी शकील हैदर की मौत, एक साल पहले पुलसि ने किया था गरिफ्तार

लखनऊ। बांदा जेल में बंद बाहुबली मुख्तार अंसारी के बेहद करीबी गुर्गे शकील हैदर की मंगलवार को केजीएमयू में इलाज के दौरान मौत हो गई। उसे जिला कारागार लखनऊ से भर्ती कराया गया था। 22 अगस्त 2021 में वजीरगंज पुलिस ने शकील को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। वरिष्ठ जेल अधीक्षक आशीष तिवारी ने बताया कि 11 जुलाई से शकील का इलाज केजीएमयू में चल रहा था। उसने न्यूरो के अलावा कुछ अन्य बीमारियां थीं।उसके खिलाफ वजीरगंज कोतवाली समेत अमेठी व कई अन्य जनपदों में दर्जनों मुकदमें दर्ज हैं। शकील के खिलाफ वजीरगंज कोतवाली में करीब आठ से 10 मुकदमें दर्ज हैं। उसने जेहटा रोड स्थित पांच बीघे के प्लाट पर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर अमीनाबाद स्थित बैंक से 66 करोड़ रुपये का कर्ज लिया था। इसके बाद उस प्लाट को 70 से 75 लोगों को बेचा था। इस बारे में जब खरीदारों को जानकारी हुई और उन्होंने विरोध किया तो शकील और उसके गुर्गे उन्हें धमकाने लगे। शकील ने महानगर कोतवाली में तैनात दारोगा समेत अन्य वादी मुकदमा को धमकी दी थी। तत्कालीन इंस्पेक्टर वजीरगंज धनंजय पांडेय और उनकी टीम ने शकील को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। शकील यहां शीशमहल के पास रहता था। लखनऊ में रहकर मुख्तार अंसारी का नेटवर्क संभालता था। काफी सालों से वह मुख्तार से जुड़ा था।

सीएम योगी आदित्यनाथ आज गोरखपुर को देंगे हेल्थ एटीएम की सौगात, एक सैंपल से होगी 59 तरह की जांच

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को गोरखपुर जिले को हेल्थ एटीएम (आटोमेटेड टेलर मशीन) की सौगात देंगे। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) चरगांवा में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री गोरखपुर के पहले हेल्थ एटीएम का लोकार्पण करेंगे। इस दौरान वह जनसभा को संबोधित करते हुए इस नई तकनीक के फायदे भी बताएंगे। प्रथम चरण में 10 हेल्थ एटीएम लगाए जाएंगे।आम लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सरकारी अस्पतालों को तकनीकी से समृद्ध बनाने का काम युद्धस्तर पर शुरू किया है। इसी के तहत प्रदेश में हेल्थ एटीएम भी लगाए जा रहे हैं। गोरखपुर जिले के 23 सरकारी अस्पतालों में हेल्थ एटीएम स्थापित करने की कार्ययोजना तैयार की गई है। जिला अस्पताल, महिला अस्पताल एवं 21 सीएचसी-पीएचसी पर इसे स्थापित किया जाएगा। हेल्थ एटीएम की सुविधा उपलब्ध कराने के साथ ही इसे संचालित करने के लिए कर्मचारियों को प्रशिक्षित भी किया जाएगा। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर प्रशासन देर रात तक तैयारियों में जुटा रहा।

हेल्थ एटीएम के जरिए एक सैंपल से 59 तरह की जांच हो सकेगी। इससे शरीर की स्क्रीनिंग होगी। इसमें ब्लड प्रेशर, शुगर, वजन, लंबाई, शरीर का तापमान, शरीर में आक्सीजन की मात्रा, बाडी मास इंडेक्स, मेटाबालिक एज, बाडीफैट, डिहाइड्रेशन, पल्स रेट, मसल मास आदि की जांच करा सकेंगे। इसमें ग्लूकोज, हीमोग्लोबिन, लिपिड प्रोफाइल की जांच भी हो सकेगी। भविष्य में इसके जरिए डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया, यूरिन टेस्ट, गर्भावस्था जांच, टाइफाइड, एचआईवी ईसीजी, टीएलसी, डीएलसी जैसी जांचें भी हो सकेंगी। सीएचसी चरगांवा के बाद सरदारनगर, जंगल कौड़िया, उरुवा और कौड़ीराम के स्वास्थ्य केंद्रों पर भी हेल्थ एटीएम लगाए जाएंगे।

चरगांवा सीएचसी पर बुधवार को आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री हेल्थ एटीएम की सौगात देंगे। शाम चार बजे से आयोजित कार्यक्रम की तैयारियों की जा रही हैं। हेल्थ एटीएम से लोगों को काफी सुविधा होगी।

कविता

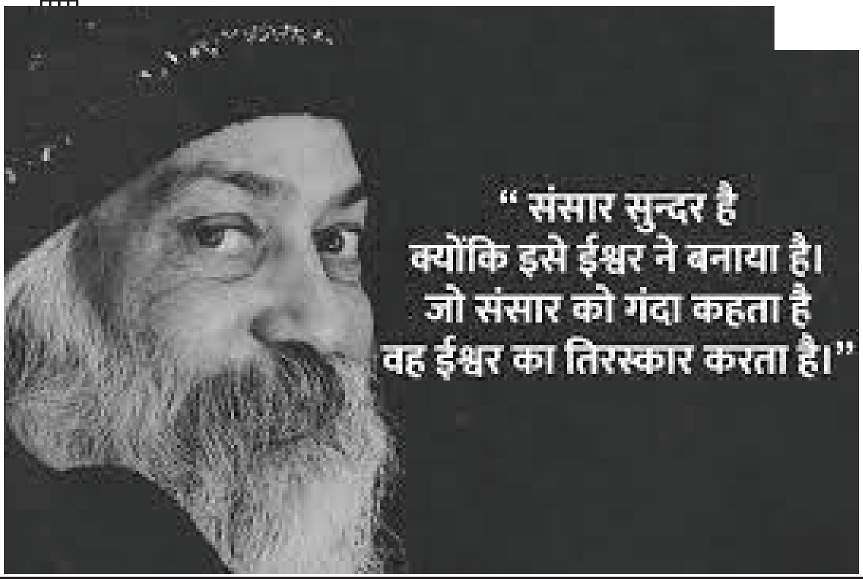

कहै कबीर दीवाना-ओशो

तुम देख की चाव है बस, एक ही चाह बनी। सब चाहे एक चाह में गिर गई। जैसे सभी नदियां एक ही सागर में गिर जायें। वह है, तुम देखने की चाव।...प्रभु मिला सबेरा। सुबह हो गई। अब अंधेरा नहीं है। अब दिखाई पड़ता है। बस अब एक ही चाह है कि उस रोशनी में तुम भी दिखाई पड़ जाओ। यह ध्यान की अवस्था है। अब रोशनी तो हो जाती है, लेकिन समाधि नहीं फलती। जब प्रकाश तो हो जाता है, सुबह तो हो गई, लेकिन अभी सूरज नहीं निकला है। रात जा चुकी, अंधेरा अब नहीं है, सुबह हो गई--सबेरा; लेकिन सूरज अभी नहीं निकला है। अभी सूरज के दर्शन नहीं हुए। वह जो मध्यकाल है, रात्रि के जाने और सूरज के आने के बीच में जो संध्याकाल है, उसको ही हिंदुओं ने अपनी प्रार्थना का समय बनाया। क्योंकि वही ध्यान है। वही ध्यान का प्रतीक है। इसलिए हिंदू प्रार्थना को संध्या कहते हैं। **जारी...**

करी पत्तों से करें सफेद बालों को नैचरली काला

सब्जियों और अन्य पकवानों में तड़का लगाने के लिए हम सभी करी पत्ता का प्रयोग करते हैं। यह न सिर्फ उन्हें एक बेहतरीन खुश्बू प्रदान करता है बल्कि स्वाद भी बढ़ाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं, बालों के लिए भी करी पत्ता बहुत लाभकारी है। करी पत्ता एंटी ऑक्सीडेंट, विटामिन सी से भरपूर होता है, साथ ही इसमें फास्फोरस, आयरन, कैल्शियम और निकोटिनिक एसिड जैसे जरूरी पोषक तत्व भी मौजूद होते हैं। बालों की कई समस्याओं जैसे बालों का झड़ना रोकने, ड्राई और फ्रिजी हेयर, डैंड्रफ आदि से छुटकारा दिलाने और बालों को मजबूत, घना और शाइनी बनाने में करी पत्ता का प्रयोग बहुत लाभकारी है। यहां तक कि सफेद बालों को नेचुरली काला करने में भी करी पत्ता प्रयोग बहुत लाभकारी है। सिर्फ करी पत्ता खाने से ही नहीं, आप बालों को सीधे तौर पर बालों में लगाकर भी सफेद बालों की समस्या से छुटकारा पा सकते हैं। बस आपको सही तरीके से करी पत्ता बालों में लगाना है। बहुत से लोग अक्सर पूछते हैं करी पत्ता से बालों को कैसे काला करें? इस लेख में हम आपको सफेद बालों को काला करने के लिए करी पत्ता का इस्तेमाल करने के 5 तरीके बता रहे हैं।

करी पत्ता से बालों को कैसे काला करें-लङ्क्ष्६ ळङ्क्ष वरी ़४११८इसके लिए आपको 8-10 करी पत्ते लेने हैं और उन्हें अच्छी तरह पीस लेना है। इसमें थोड़ा सा पानी मिलाकर थोड़ा पतला पेस्ट बना लें, जिससे कि यह बालों में आसानी से लग जाए। इस पेस्ट को स्कैल्प से लेकर स्प्लिट एंड्स तक अच्छी तरह लगाएं। इसे कम से 30 मिनट के लिए छोड़ दें और शैंपू से धो लें। आप 3-4 घंटों के लिए भी इसे बालों में छोड़ सकते हैं। 2. तेल में मिलाकर लगाएं आप करी पत्ता के पेस्ट में सरसों, नारियल, बादाम या कोई अन्य एसेंशियल ऑयल मिलाकर भी बालों में अप्लाई कर सकते हैं। कोशिश करें कि पेस्ट को पहले तेल में गर्म कर लें और उसके बाद बालों में लगाएं। 30 मिनट से लेकर 3-4 घंटों तक आप इसे बालों में लगा सकते हैं।

3. आंवला मिलाकर लगाएं
करी पत्ता की तरह आंवला भी बालों के लिए बहुत फायदेमंद होता है। यह भी विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट्स का अच्छा स्रोत है। आप करी पत्ता और 1-2 आंवला फल को पीसकर, इसमें तेल मिलाकर एक पेस्ट बना लें और बालों में लगा लें। आप इसमें नींबू का रस भी मिला सकते हैं। कम से कम 30 मिनट बालों में जरूर लगाएं।

4. एलोवेरा मिलाकर लगाएं
एलोवेरा बालों के लिए बहुत फायदेमंद होता है

निक्की तंबोली व चाहत खन्ना जैसी 4 एक्ट्रेस ने ठग से तिहाड़ जेल में की थी भेंट

सुकेश चंद्रशेखर मनी लॉन्ड्रिंग मामला अब गंभीर रूप लेता जा रहा है' जैकलीन फर्नांडीज और नोरा फतेही की हाल ही में सुकेश चंद्रशेखर मामले में पूछताछ की गई थी' अब टीवी एक्ट्रेस निक्की तंबोली और चाहत खन्ना का भी नाम आया है' सुकेश चंद्रशेखर मामला 200 करोड़ रुपये की मनी लॉन्ड्रिंग और धन उगाही का है' चाहत खन्ना, सोफिया सिंह और निक्की तंबोली ने सुकेश चंद्रशेखर से जेल में मुलाकात की थी एनफोर्समेंट डायरेक्टोरेट की चार्जशीट में कहा गया है कि निक्की तंबोली को साढ़े 3 लाख का एक ब्रांडेड बैग दिया गया है' वहीं चाहत खन्ना, सोफिया सिंह, अरुषा पाटिल और निक्की तंबोली ने सुकेश चंद्रशेखर से जेल में मुलाकात की थी' सभी दिल्ली के तिहाड़ जेल में उनसे मिलने गई थी और ऐसा उन्होंने सुकेश चंद्रशेखर की खास पिंकी ईरानी के साथ मिलकर किया था' एनफोर्समेंट डायरेक्टोरेट ने यह सारी बातें अपनी चार्जशीट में कही है'नोरा फतेही से इकोनामिक ऑफिंस विंग के अधिकारियों ने पूछताछ की है

इस बीच, नोरा फतेही से गुरुवार को दिल्ली पुलिस की इकोनामिक ऑफिंस विंग के अधिकारियों ने पूछताछ की' इससे पहले उन्होंने जैकलीन फर्नांडीज से इस मामले में पूछताछ की गई थी' ईडी के अनुसार नोरा फतेही और जैकलीन फर्नांडीज को कई महंगे उपहार सुकेश चंद्रशेखर से मिले हैं'जैकलीन फर्नांडीज और पिंकी ईरानी से घंटों पूछताछ की गई है

नोरा फतेही से कई घंटे की पूछताछ की गई है' वहीं बुधवार को जैकलीन फर्नांडीज और पिंकी ईरानी से घंटों पूछताछ की गई है' अधिकारियों को जैकलीन फर्नांडीज और पिंकी ईरानी की बातों में अंतर भी मिला है' जैकलीन फिल्म एक्ट्रेस है' वह जल्द अक्षय कुमार के साथ फिल्म राम सेतु में भी नजर आएंगी' इस फिल्म में उन्होंने अहम भूमिका निभाई है' वहीं उन्हें सशर्त विदेश जाने की अनुमति दी गई थी'

17 साल बाद पाकिस्तान दौरे पर पहुंची इंग्लैंड की टीम, 7 मैचों की T20 सीरीज में लेगी हिस्सा

नई दिल्ली। इंग्लैंड की टीम 17 साल के लंबे अंतराल के बाद पाकिस्तान को दौरा कर रही है। गुरुवार को टीम कराची एयरपोर्ट पहुंची जहां उनका स्वागत किया गया। इंग्लैंड टीम ने पिछली बार 2005 में पाकिस्तान का दौरा किया था। इस दौरे पर इंग्लैंड की टीम 7 टी20 मैचों की सीरीज खेलेगी। टी20 वर्ल्ड कप से पहले यह दोनों टीमों के लिए बेहतरीन मौका है कि वह खुद को तैयार कर सके। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के ट्विटर हैंडल से एक वीडियो पोस्ट किया गया है जिसमें इंग्लैंड टीम को एयरपोर्ट से होटल तक जाते दिखाया गया हैपिछले साल सुरक्षा कारणों से इंग्लैंड टीम ने अपना पाकिस्तान दौरा रद कर दिया था। लेकिन पहले ऑस्ट्रेलिया और अब इंग्लैंड की टीम पाकिस्तान पहुंच चुकी है। पीसीबी की तरफ से एक बयान में कहा गया है कि ह्यऑस्ट्रेलिया का दौरा हमारे इवेंट की सटीक प्लानिंग का बेजोड़ उदाहरण था और हमें पूरी उम्मीद है कि इंग्लैंड का यह दौरा भी सुरक्षित तरीके से पूरा होगा।2009 में पाकिस्तान में हुए श्रीलंका टीम पर आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान टीम को न्यूट्रल वेन्यू पर खेलने के लिए बाध्य होना पड़ा था लेकिन धीरे-धीरे परिस्थितियां सुधरी और पहले ऑस्ट्रेलिया और अब इंग्लैंड दौरे के लिए पाकिस्तान पहुंच चुकी है।

जोस बटलर के नेतृत्व में 19 सदस्यीय इंग्लैंड टीम 7 टी20 मैच खेलेगी। यह मैच कराची और लाहौर में खेले जाएंगे। टी20 सीरीज की शुरूआत 20 सितंबर को होगी जो 2 अक्टूबर तक चलेगी। बतौर कप्तान जोस बटलर के लिए यह अच्छा मौका है कि वह टी20 वर्ल्ड कप से पहले अपने नेतृत्व क्षमता को बेहतर करे क्योंकि हाल ही में उन्होंने इसकी जिम्मेदारी संभाली है।

राजस्थान रॉयल्स फ्रेंचाइजी टीम के कोच बने जेपी डुमिनी, इनको भी मिला मौका

नई दिल्ली: अगले साल जनवरी में होने वाले साउथ अफ्रीका टी20 लीग के पहले सीजन के लिए टीम पार्ल रॉयल्स ने दक्षिण अफ्रीका के पूर्व आलराउंडर जेपी डुमिनी को अपना प्रमुख कोच बनाया गया है। पार्ल रॉयल्स रॉयल स्पोर्ट्स ग्रुप की फ्रैंचाइजी है। डुमिनी मध्य क्रम में अपनी विस्फोटक और प्रभावशाली बल्लेबाजी के अलावा अपनी ऑफ स्पिन तथा मैदान पर बेहतरीन फील्डिंग के लिए जाने जाते हैं। पार्ल रॉयल्स ने अपने कोचिंग स्टाफ की घोषणा की जिसमें रिचर्ड दास नेवेस, मंडला मशीमबई ,मार्क चार्लटन, लीसा केइटली और रसेल एस्पेलिंग को शामिल किया गया है।38 वर्षीय डुमिनी ने 2019 में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। उसी वर्ष डुमिनी ने पार्ल रॉयल्स की पार्टनर फ्रैंचाइजी बारबडोस रॉयल्स (तब बारबडोस ट्राइडेंट्स) के साथ कैरेबियन प्रीमियर लीग की ट्रॉफी जीती थी।

डुमिनी उसके बाद से कोचिंग में आ गए और 2021 में दक्षिण अफ्रीका पुरुष टीम के रणनीतिक सलाहकार भी रहे। डुमिनी ने कहा, मेरा पार्ल के साथ नजदीकी संबंध रहा है। मेरे लिए पार्ल रॉयल्स का प्रमुख कोच बनना बड़े सम्मान की बात है। मैं इंटरनेशनल और स्थानीय खिलाड़ियों के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं।इस लीग के लिए 19 सितंबर को खिलाड़ियों का ऑक्शन होगा। इसमें 500 से ज्यादा खिलाड़ियों ने आवेदन किया था लेकिन 318 खिलाड़ियों को शॉर्टलिस्ट किया गया है। 6 टीमों के बीच होने वाले इस लीग में सभी टीमों को 17 खिलाड़ी रखना अनिवार्य है जिसमें से 5-5 खिलाड़ियों को पहले ही साइन किया जा चुका है।

अफगानिस्तान ने की 15 सदस्यीय टीम की घोषणा

नई दिल्ली। अफगानिस्तान क्रिकेट ने आगामी टी20 वर्ल्ड कप के लिए अपने 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। इस टीम का नेतृत्व एक बार फिर से मोहम्मन नबी के हाथों में है जिन्होंने एशिया कप में अच्छी कप्तानी की थी। इसके अलावा नजीबुल्लाह जदरान को उप-कप्तान बनाया गया है। समीउल्लाह शिनवारी, हशमतुल्ला शाहिदी, अफसार जजई, करीम जनत और नूर अहमद जो एशिया कप में टीम का हिस्सा थे उन्हें टी20 वर्ल्ड कप टीम में जगह नहीं मिली है।इस स्क्वॉड में मध्यक्रम के बल्लेबाज दारविश रसूली, ऑलराउंडर काइस अहमद और दाएं हाथ के तेज सलीम सफी को मौका मिला है।इस टीम में एशिया कप में शानदार बल्लेबाजी करने वाले रहमानुल्लाह गुरबाज को जगह मिली है। इनके अलावा अजमतुल्लाह ओमरजई, दारिवश रसूली, फरीद अहमद मलिक, फजलहक फारुखी, हजरतुल्लाह जजई, इब्राहिम जदरान, मुजीब उर रहमान, नवीन उल हक, काइस अहमद, राशिद खान, सलीम सफी और उस्मान घनी।

जिस बैट से 2 छक्के लगाकर पाकिस्तान को पहुंचाया फाइनल में अब वह बाढ़ पीड़ितों के काम आएगा

नई दिल्ली। एशिया कप में पाकिस्तान और अफगानिस्तान का मैच तो आपको याद ही होगा जब पाकिस्तान के तेज गेंदबाज नसीम शाह ने आखिरी ओवर में 2 गेंदों पर 2 छक्के लगाकर न केवल पाकिस्तान को रोमांचक जीत दिलाई थी बल्कि टीम को फाइनल में भी पहुंचा दिया था। वो अलग बात है कि टीम फाइनल में जीत दर्ज नहीं कर पाई और 7 साल बाद श्रीलंका की टीम छठी बार एशियन चैंपियन बनी।उस मैच में मोहम्मद हसनैन की जिस बैट से नसीम शाह ने यह कमाल किया था उस बैट की अब बोली लगने वाली है। दरअसल नसीम की यह बैट अब पाकिस्तान में बाढ़ पीड़ितों के काम आएगी। दरअसल नसीम शाह ने इस बात की जानकारी दी है कि इस बल्ले को नीलाम किया जाएगा और इससे जो पैसे आएंगे वो पाकिस्तान में बाढ़ पीड़ितों के

काम आएगा।पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड द्वारा एक वीडियो पोस्ट किया गया है जिसमें नसीम शाह, क्रिकेट फैंस से इस बल्ले की नीलामी में भाग लेने के लिए अपील कर रहे हैं जिस बल्ले से उन्होंने आखिरी ओवर में 2 छक्के लगाकर पाकिस्तान को जीत दिलाई थी। दरअसल यह बल्ला शाहिद अफरीदी ट्रस्ट को दी जाएगी जहां इसकी नीलामी के बाद जो पैसे आएंगे उसका इस्तेमाल बाढ़ पीड़ितों को राहत देने के लिए किया जाएगा।एशिया कप में सुपर 4 के उस मैच की बात करें तो क्रिकेट फैंस शायद ही वो दिन कभी भूल पाएंगे। उस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान की टीम ने 6 विकेट पर 129 रन बनाए थे जिसके जवाब में पाकिस्तान टीम ने 19 ओवर में 9 विकेट गंवा दिए और उसे आखिरी ओवर में 11 रन की आवश्यकता थी। जीत मुश्किल लग रही थी लेकिन फिर नसीम ने वो किया जिसके लिए वह हमेशा पाकिस्तान में हीरो बन गए। पाकिस्तान की इस जीत के बाद कप्तान बाबर ने कहा था कि नसीम की बल्लेबाजी ने उन्हें जावेद मियांदाद की याद दिला दी।

शरद पवार बोले, वेदांत-फाक्सकान फैक्ट्री का गुजरात जाना दुर्भाग्यपूर्ण

मुंबई। वेदांत-फाक्सकान सेमीकंडक्टर फैक्ट्री के गुजरात चले जाने पर महाराष्ट्र में सियासी घमासान जारी है। इस सबके बीच राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (ठउढ) के राष्ट्रीय अध्यक्ष शरद पवार (रँ१ ढं६१) ने गुरुवार को कहा कि महाराष्ट्र निवेशकों के लिए हमेशा पहली पसंद रहा है। ऐसे में वेदांत-फाक्सकान फैक्ट्री का गुजरात जाना दुर्भागयपूर्ण है। महाराष्ट्र कांग्रेस ने केंद्र के दबाव में फैक्ट्री के गुजरात जाने का आरोप लगाया है, जबकि उद्धव ठाकरे की नेतृत्व वाली शिवसेना ने मुख्यमंत्री पर निशाना साधा है।उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस (ऊ५ील्लि१ं त्रंल्लिं५२) ने विपक्ष पर झूठे दावे करने का आरोप लगाया है। पुणे में प्रेस कांफ्रेंस में पवार ने कहा कि केंद्र की सत्ता का लाभ गुजरात को मिल रहा है। पहले यह फैक्ट्री पुणे के पास तलेगांव में लगनी थी। इस परियोजना को अब वापस महाराष्ट्र में ला पाना संभव नहीं लगता। पवार ने आगे कहा कि वेदांत-फाक्सकान के गुजरात जाने के बाद इस पर टीका-टिप्पणी करने के बजाय अब विचार करना चाहिए कि महाराष्ट्र में नई परियोजनाएं कैसे आएं। पवार ने शिंदे सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि अभी तक शिंदे का कोई काम दिखाई नहीं पड़ रहा है। अब उन्हें कुछ करके दिखाना चाहिए।प्रेट्र के अनुसार उद्धव ठाकरे (वाँ५ ळूँी१ं८) के नेतृत्व वाली शिवसेना के मुखपत्र ह्यसामनाह्ण ने भाजपा का नाम लिए बिना संपादकीय में लिखा है कि मेगा सेमीकंडक्टर परियोजना गुजरात जा रही है जो महाराष्ट्र की प्रतिष्ठा पर हमला है। यह सिर्फ शुरूआत है और एक दिन एकनाथ ऱ्यदे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार ह्यमुंबई का व्यापार भी कर सकती है। संपादकीय में शिंदे को कठपुतली मुख्यमंत्री बताया गया है। प्रदेश कांग्रेस के महासचिव सचिन सावंत ने कहा कि केंद्र के दबाव में यह परियोजना गुजरात गई है। एमवीए सरकार ने इस परियोजना के लिए बेहतर पैकेज की पेशकश की थी। उन्होंने कहा कि इस कदम से देश को नुकसान होगा, क्योंकि इससे परियोजनाओं के लटकने की संभावना बढ़ेगी। प्रेट्र की रिपोर्ट के अनुसार विपक्षी दलों के आरोपों का जवाब देते हुए उप मुख्यमंत्री फडणवीस ने उन्हें नानर रिफाइनरी परियोजना की याद दिलाई। रूस की यात्रा पर गए फडणवीस ने एक के बाद एक ट्वीट में कहा, ह्ययह निराशाजनक है कि राजनीतिक लाभ लेने के लिए नकारात्मक, झूठे और निराधार दावे किए जा रहे हैं। यह केवल अपनी अक्षमता को छिपाने के लिए है। मैं विपक्षी नेताओं से पूछना चाहता हूं कि महाराष्ट्र से 3.5 लाख करोड़ रुपये की रिफाइनरी किसने वापस भेजी? इन नेताओं को मेरी सलाह है कि सक्षम और कुशल बनने पर ध्यान दें, न कि नकारात्मक और हताश।ह्ण

मिड-डे के अनुसार वेदांत समूह के प्रमुख अनिल अग्रवाल ने सेमीकंडक्टर फैक्ट्री के गुजरात जाने पर महाराष्ट्र में गरमाई सियासत को शांत करने की कोशिश की है। उन्होंने कहा, अरबों डालर का यह दीर्घकालिक निवेश भारतीय इलेक्ट्रानिक्स की दिशा बदल देगा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक संपादक – मुर्तुजा मामाजीवाला के द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, युनिट नं. 4, ग्राउंड फ्लोअर, एन. के इंडस्ट्रिअल इस्टेट , ऑफ आरे रोड , प्रवासी इंडस्ट्रिअल इस्टेट के पास , गेट नं. 2, गोरेगाव (पूर्व),मुंबई - 400063 से मुद्रित कर शिव वातुक सेना कासिम नगर नियर लक्ष्मी इस्टेट न्यू लिंक रोड, अंधेरी (प),मुंबई -400053 प्रकाशित । संपादक : मुर्तुजा मामाजीवाला मों. 9819199997

■ T.C. NO. MAHHIN10172 ■ ईमेल : newsicon2021@gmail.com ■ newsicon.net